NEW ERA PUBLIC SCHOOL RAJBAGH
SOLVED ASSIGNMENT OF UNIT-IInd.
CLASS :- 8th SESSION 2021.
SUBJECT: HINDI

Pg no.1

पाठ- 4 दीवानों की हस्ती

कविता का सार

'दीवानों की हस्ती' नामक कविता श्री भगवतीचरण वर्मा द्वारा रचित एक श्रेष्ठ रचना है। इसमें कवि ने मदमस्त और दीवानों को कविता में स्थान देकर उनके भावों और क्रियाकलापों को अनोखे रूप में प्रकट किया है। कवि कहता है कि हम तो दीवाने हैं, हमारा कोई एक ठिकाना नहीं हो सकता। आज यहाँ तो कल हम कहीं और चल देते हैं। हमारा टिकने का कोई एक स्थान नहीं है, इसलिए हम दीवाने कहलाते हैं। हम कभी खुशी के रूप में सीधे चले आते हैं तो कभी आँसू के रूप दु:ख बनकर बह जाते हैं। कवि कहते हैं वह इस भिखारियों के संसार में पूर्ण स्वतंत्रता के साथ अपना प्यार दूसरों पर लुटाकर चल दिया है। हम हृदयों पर अपने कार्यों में असफलता का भार लिए किसी तरह चल पड़े हैं। अब हमें मेरा - तेरा कुछ नहीं दिखता। बस ठहरने वाले खुश रहें। हम तो पूरी तरह से बँधे थे, लेकिन हमने अपने बंधन खुद ही तोड़ लिए हैं और आगे को चल पड़े हैं।

Scanned with CamScanner

क, कवि ने अपने आने को उल्लास और जाने को आँसू बनकर बह जाना क्यों कहा है ?

उ० : कवि ने अपने आने को उल्लास इसलिए कहा है क्योंकि उसके आने से लोगों के मन और चित्त दोनों खुश हो जाते हैं। लोगों के दिलों की कलियाँ खिल उठती हैं। दूसरी तरफ उसने स्वयं के जाने को आसू इसलिए कहा क्योंकि उसके जाने से लोगों के मन में दुःख उत्पन्न होता है। लोग उसकी कमी को अनुभव करते हैं इसलिए स्वयं को आँसू बनकर बह जाना कहा है।

ख, भिखमंगो की दुनिया में बेरोक प्यार लुटाने वाला कवि ऐसा क्यों कहता है कि वह अपने हृदय पर असफलता का एक निशान भार की तरह लेकर जा रहा है, क्या वह निराश है या प्रसन्न है ?

उ० : कवि भिखमंगों की दुनिया में बेरोक प्यार लुटाने के लिए कहता है किन्तु वह अपने कार्य में पूर्णत: सफल नहीं हो पाता। अपनी इसी असफलता को वह एक निशान, भार की तरह लेकर जा रहा है। यह कवि की निराशा है जो उसके मन में निराशा की भावना को बढ़ाती जा रही थी।

ग, कविता में ऐसी कौन - सी बात है जो आपको सबसे अच्छी लगी ?

उ० । कविता की निम्न पंक्तियाँ सबसे अच्छी लगी हैं।

हम भिखमंगों की दुनिया में,

Pg no 3

स्वच्छंद लुटाकर प्यार चले,
हम एक निसानी-सी उर पर,
ले असफलता का भार चले।

यह पंक्ति का भाव हृदय को छू लेने वाला है क्योंकि कवि भिखारियों की दुनिया में स्वतंत्र होकर अपना प्यार लुटाना चाहता है लेकिन इस कार्य में पूर्ण सफलता न मिल पाने के कारण एक चिह्न अपने हृदय पर लेकर चल पड़ा है।

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :

1. 'दीवानों की हस्ती' कविता के कवि भगवतीचरण वर्मा है
2. मस्ती का आलम साथ चला।
3. आए बनकर उल्लास अभी।
4. छक-कर सुख-दु:ख के घूँटों को।
5. हम अपना बंधन तोड़ चले।

पाठ-5 चिट्ठियों की अनूठी दुनिया

कठिन शब्दों के अर्थ

अजीबो-गरीब - अनोखी, विवाद - झगड़े, जड़ - मूल, संतोष - सब्र, इकलौता - एकमात्र, सिलसिला - परंपरा, देहाती - गाँव वाला, मिसाल - जोड़, दौर - समय, घटा - कम, संग्राम - युद्ध, लड़ाई, संकलन - चीजों का इकट्ठा होना

(प्रश्नों के उत्तर)

क) पत्र जैसा संतोष फ़ोन या एस० एम० एस० का संदेश क्यों नहीं दे सकता ?

उ०: पत्र जैसा संतोष फ़ोन या एस० एम० एस० नहीं दे सकता है। इसका प्रमुख कारण यह है कि फ़ोन या एस० एम० एस० के संदेशों को लोग शीघ्र ही भूल जाते हैं। फोन पर की गई बातों और एस० एम० एस० को लंबे समय तक बचाकर रख पाना एक कठिन कार्य है। देश के बहुत से ज़िले या गाँव ऐसे हैं जहाँ सेवा उपलब्ध नहीं है, जबकि डाकघर प्रत्येक गाँव और कस्बे में स्थापित है। अतः पत्र जैसा संतोष, फोन या एस० एम० एस० के संदेश नहीं दे सकते।

ख) पत्र को खत, कागद, उत्तरम्, जाबू, लेख, कडिद, पाती, चिट्ठी इत्यादि कहा जाता है। इन शब्दों से संबंधित भाषाओं के नाम बताइए।

उ०: पत्र को उर्दू में खत, संस्कृत में पत्र, कन्नड़ में कागद, तेलगू में उत्तरम, जाबू और लेख तथा तामिल में [illegible] कडिद कहा जाता है।

ग, पत्र लेखन की कला के विकास के लिए क्या-क्या प्रयास हुए ? लिखिए ।

उ०: डाक व्यवस्था के सुधार के साथ पत्रों को सही दिशा देने के लिए विशेष प्रयास किए गए । स्कूली पाठ्यक्रमों में पत्र लेखन का विषय भी शामिल किया गया । भारत ही नहीं विश्व के अनेक देशों में पत्रों के विकास के लिए अनेक प्रयास चले । विश्व डाकसंघ की ओर से 16 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों के लिए पत्र लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित करने का सिलसिला सन् 1972 से शुरू किया गया ।

घ, पत्र धरोहर हो सकते हैं लेकिन एस० एम० एस० क्यों नहीं ? तर्क सहित अपना विचार लिखिए ।

उ०: हाँ, यह पूरी तरह सत्य है कि पत्र धरोहर हैं । पत्र किसी दस्तावेज़ से कम नहीं हैं । आज पत्र अनेक संकलनों के रूप में देखे जा सकते हैं । पत्रों का यह दिलचस्प संकलन धरोहर है, लेकिन एस० एम० एस० धरोहर नहीं हो सकते । इन्हें संभाल कर रखना कठिन है । एस० एम० एस० को लंबे समय तक सुरक्षित रखना कोई आसान कार्य नहीं है । एक गलत बटन दबने से एस० एम० एस० पूरी तरह नष्ट हो सकते हैं । अतः एस० एम० एस० की अपेक्षा पत्र धरोहर हो सकते हैं जो जीवन को गतिशील बनाने का कार्य करते हैं ।

ङ.) क्या चिट्ठियों की जगह कभी फेक्स, ई-मेल, टेलीफ़ोन तथा मोबाइल ले सकते हैं ?

उ०: बड़े शहरों और महानगरों में संचार साधनों के तेज विकास तथा अन्य कारणों से पत्रों की आवाजाही पूरी

तरह से प्रभावित हुई है, लेकिन देहाती दुनिया आज भी पत्रों पर चल रही है। फैक्स, ई-मेल, टेलिफोन तथा मोबाइल ने पत्रों को तेजी से रोका है लेकिन देश का अभी भी बहुत बड़ा भाग पत्रों पर निर्भर है।

रिक्त स्थान भरें :

1. पत्रों की दुनिया अजीब-गरीब है।
2. पत्र यादों को सहेजकर रखते हैं।
3. पत्र-लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित करने का सिलसिला सन् 1972 से शुरू किया गया।
4. वास्तव में पत्र किसी दस्तावेज़ से कम नहीं है।
5. गाँव या ग़रीब बस्तियों में चिट्ठी या मनीआर्डर लेकर पहुँचाने वाला देवदूत के रूप में देखा जाता है।

— o —

पाठ - 6 भगवान का डाकिया

अभ्यास के प्रश्नों के उत्तर

1. कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिया क्यों बताया है ? स्पष्ट कीजिए।

उ०: कवि ने पक्षी और बादल को भगवान का डाकिया इसलिए माना है क्योंकि ये संदेशों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाने - ले - जाने का कार्य करते हैं। बादल वर्षा एव शीतलता का संदेश देते हैं। पक्षी अपने पंखों पर सुगंधित वायु को लेकर एक देश से दूसरे देश में आते - जाते हैं।

2. पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन-कौन पढ़ पाते हैं ? सोचकर लिखिए।

उ०: पक्षी और बादल दोनों ही कवि के अनुसार भगवान के डाकिया हैं। ये हमारे संदेशों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाने और ले जाने का कार्य करते हैं। इनके द्वारा लाई गई चिट्ठियों को पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ ही पढ़ पाते हैं। वही इनकी भाषा को समझ पाते हैं।

3. किन पंक्तियों का आशय है :

क. पक्षी और बादल प्रेम, सद्भाव और एकता का संदेश एक देश से दूसरे देश को भेजते हैं।

उ०: जो एक महादेश से,
दूसरे महादेश को जाते हैं।

ख, प्रकृति देश-देश में भेदभाव नहीं करती। एक देश से उठा बादल दूसरे देश में बरस जाता है।

उ०: और एक देश का भाप
दूसरे देश में पानी
बनकर गिरता है।

4. पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ क्या पढ़ पाते हैं?

उ०: पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ बहुत-सी बातों को पढ़ पाते हैं। पक्षी और बादल प्रेम, सद्भाव और एकता का संदेश एक देश से दूसरे देश को भेजते हैं। वे भी पढ़ते हैं कि प्रकृति देश-देश में भेदभाव नहीं करती।

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें:

1. 'भगवान के डाकिए' कविता के कवि रामधारी सिंह दिनकर हैं।
2. पक्षी और बादल, ये भगवान के डाकिया हैं।
3. हम तो समझ नहीं पाते हैं।
4. और वह सौरभ हवा में तैरते हुए।
5. और एक देश का भाप दूसरे देश में पानी बनकर गिरते है।

Scanned with CamScanner

'हिन्दी की' व्याकरण

निबंध :-

समाचार-पत्र के लाभ
प्रदूषण की समस्या
मेरा प्रिय मित्र

पत्र

1. अपने मुख्याध्यापक को जुर्माना माफी के लिए प्रार्थना-पत्र लिखो।
2. अपने मित्र को अपने जन्म दिन पर जलपान के लिए निमंत्रण दो।

पर्यायवाची - 11 - 20
विलोम - 11 - 20
मुहावरे - 11 - 20
एक वचन - 11 - 20
बहुवचन
लिंग - पुलिंग - 11 - 20